ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय-हिन्दी

दिनांक—17/04/2021 दो बैलों की कथा

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी ई आर टी पर आधारित

<u>दो बैलों की कथा</u>

-प्रेमचंद

<u>शब्द -संपदा</u>

निरापद- सुरक्षित

सहिष्णुता - सहनशीलता

पछाई - पालतू पशुओं की एक नस्ल

गोई-- जोड़ी

कुलेल -क्रीड़ा

(कल्लोल)

विषाद - उदासी
~~~~~~~~~~

पराकाष्ठा - अंतिम सीमा

गण्य - गणनीय, सम्मानित

विग्रह - अलगाव

पगहिया - पशु बाँधने की रस्सी

गराँव - फुंदेदार रस्सी जो बैल आदि के गले में पहनाई जाती है।

प्रतिवाद- विरोध

टिटकार -मुँह से निकलने वाला टिक-टिक का शब्द

मसलहत -हितकर

रगेदना- खदेड़ना

मल्लयुद्ध- कुश्ती

साबिका - वास्ता, सरोकार

कांजीहौस- मवेशीखाना, वह बाड़ा जिसमें दूसरे का खेत आदि खाने वाले लावारिस (काइन हाउस) चौपाये बंद किए जाते हैं और कुछ दंड लेकर छोड़े या नीलाम किए जाते हैं।

रेवड़ --पशुओं का झुंड

उन्मत्त --मतवाला

थान --पशुओं के बाँधे जाने की जगह

उछाह --उत्सव, आनंद

छात्र कार्य-

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री को लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद